राज्य स्वास्थ्य सूचकांक का चौथा संस्करण

प्रलिम्सि के लयि:

इंडेक्स के बारे में, राज्यों की रैंकगि।

मेन्स के लयि:

भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतयिाँ और इससे नपिटने के लयि चलाई जा रही प्रमुख पहल

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2019-20 के लयि **नीत आयोग ने राज्य स्वास्थ्य सूचकांक का चौथा संस्करण** जारी कयि है।

- **"स्वस्थ राज्य, प्रगतशिील भारत"** शीर्षक वाली रपिोर्ट राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों को स्वास्थ्य परणिामों में साल-दर-साल वृद्धशिील प्रदर्शन के साथ-साथ उनकी समग्र स्थति के आधार पर रैंक प्रदान करती है।
- इससे पहले **ग्लोबल हेल्थ सक्योरटिी (GHS) इंडेक्स 2021** को न्यूक्लयिर थ्रेट इनशिएिटवि (NTI) और जॉन्स हॉपकन्सि सेंटर की साझेदारी में वकिसति कयि गया था। भारत का **स्कोर 42.8 (100 में से) है** और **वर्ष 2019 की तुलना में इसमें 0.8 अंकों की गरिावट** हुई है।

प्रमुख बदिु:

- **परचिय:**
  - राज्य स्वास्थ्य सूचकांक राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों के **प्रदर्शन का आकलन करने के लयि एक वार्षकि उपकरण** है, जसिे वर्ष 2017 में संकलति और प्रकाशति कयि गया है।
  - यह **'स्वास्थ्य परणिामों', 'शासन और सूचना'** तथा **'प्रमुख इनपुट/प्रक्रयिाओं'** के डोमेन के तहत **समूहीकृत 24 संकेतकों पर आधारति** एक भारति समग्र सूचकांक है।
    - **स्वास्थ्य परणिाम:**
      - इसमें **नवजात मृत्यु दर, अंडर-5 मृत्यु दर, जन्म के समय लगिानुपात जैसे पैरामीटर** शामलि हैं।
    - **शासन और सूचना:**
      - इसमें स्वास्थ्य से सम्बंधति वरषि्ठ अधकिारयिों की संस्थागत प्रसव और औसत ऑक्यूपेंसी जैसे पैरामीटर शामलि हैं।
    - **मुख्य इनपुट/प्रक्रयिाएँ:**
      - इसमें स्वास्थ्य देखभाल में कमी का अनुपात, **कार्यात्मक चकित्सिा सुवधिाएँ, जन्म और मृत्यु पंजीकरण तथा तपेदकि उपचार** आदशिामलि हैं।
- **वकिास:**
  - इस रपिोर्ट को नीत आयोग द्वारा **वशि्व बैंक** की तकनीकी सहायता और स्वास्थ्य एवं परविार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के गहन परामर्श से वकिसति कयि गया है।
- **चौथे संस्करण का फोकस/केंद्रीय बदिु:**
  - रपिोर्ट का चौथा दौर वर्ष 2018-19 से वर्ष 2019-20 की अवध में राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों के समग्र प्रदर्शन और वृद्धशिील सुधार को मापने और उजागर करने पर केंद्रति है।.
- **राज्यों की रैंकगि:**
  - समान संस्थाओं के मध्य तुलना सुनश्चिति करने हेतु रैंकगि को इस प्रकार वर्गीकृत कयि गया है:
    - **बड़े राज्य:**
      - बड़े राज्यों' की श्रेणी के तहत 'वार्षकि क्रमकि प्रदर्शन' (Annual Incremental Progress) के मामले में उत्तर प्रदेश, असम और तेलंगाना शीर्ष रैंकगि वाले तीन राज्य हैं।
    - **छोटे राज्य:**
      - 'छोटे राज्यों' की श्रेणी में मज़िोरम और मेघालय ने अधकितम वार्षकि क्रमकि प्रगत दिर्ज की है।
    - **केंद्रशासति प्रदेश:**

        - केंद्रशासित प्रदेशों की श्रेणी में दिल्ली के बाद जम्मू और कश्मीर ने सबसे अच्छा क्रमिक प्रदर्शन किया है।
    - **समेकित/ओवरआल:**
        - वर्ष 2019-20 में समेकित सूचकांक अंक के आधार पर व्यापक रैंकिंग के तहत 'बड़े राज्यों' में केरल व तमिलनाडु, 'छोटे राज्यों' में मिज़ोरम व त्रिपुरा और केंद्रशासित प्रदेशों में दादरा एवं नगर हवेली व दमन व दीव तथा चंडीगढ़ शीर्ष रैंकिंग वाले राज्य हैं।

SCORECARD

Top 5

Rank	2018-19*	2019-20*
1	Kerala	Kerala
2	Andhra Pradesh	Tamil Nadu
3	Tamil Nadu	Telangana
4	Himachal Pradesh	Andhra Pradesh
5	Maharashtra	Maharashtra

Bottom 4**

Rank	2018-19*	2019-20*
1	UP	UP
2	Bihar	Bihar
3	MP	MP
4	Jharkhand	Rajasthan

*According to Reference Year
**In ascending order (Lowest first)
Source: NITI Aayog Fourth Health Index

//

- **इंडेक्स का महत्त्व:**
    - **नीति निर्माण:**
        - राज्य द्वारा इसका उपयोग **नीति निर्माण और संसाधनों के आवंटन** में किया जाता है।
            - यह रिपोर्ट प्रतिस्पर्द्धी और सहकारी संघवाद दोनों का उदाहरण प्रस्तुत करती है।
    - **स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा:**
        - यह सूचकांक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा एवं क्रॉस-लर्निंग को प्रोत्साहित करता है।
            - इसका उद्देश्य **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मज़बूत स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने और सेवा वितरण में सुधार** करना है।
    - **सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति में सहायक:**
        - इस अभ्यास से स्वास्थ्य संबंधी सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने के लिये राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रयासों में मदद मिलने की आशा है, जिसमें यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (UHC) और अन्य स्वास्थ्य परिणामों से संबंधित लक्ष्य शामिल हैं।
    - **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में भूमिका:**
        - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने हेतु सूचकांक को जोड़ने में MoHFW के निर्णय से इस वार्षिक रिपोर्ट के महत्त्व पर ज़ोर दिया गया है।
- **सूचकांक की सीमाएँ:**
    - **महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर नहीं किया गया:**
        - कुछ महत्त्वपूर्ण क्षेत्र जैसे- संक्रामक रोग, गैर-संचारी रोग (एनसीडी), मानसिक स्वास्थ्य, शासन और वित्तीय जोखिम संरक्षण के वार्षिक आधार पर डेटा की स्वीकार्य गुणवत्ता की अनुपलब्धता के कारण स्वास्थ्य सूचकांक में ये सभी क्षेत्र पूरी तरह से शामिल नहीं हैं।
    - **सीमित डेटा:**
        - कई संकेतकों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में निजी क्षेत्र के डेटा की कमी और असमान उपलब्धता के कारण डेटा सार्वजनिक सुविधाओं में सेवा वितरण तक सीमित है।
            - परिणामी संकेतकों के लिये, जैसे- नवजात मृत्यु दर, पाँच वर्ष से कम मृत्यु दर, मातृ मृत्यु अनुपात और जन्म के समय लिंग अनुपात संबंधी डेटा केवल बड़े राज्यों के लिये उपलब्ध है।
    - **बिना क्षेत्रीय सत्यापन के डेटा का उपयोग:**
        - कई संकेतकों के लिये, स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (HMIS) डेटा और अन्य कार्यक्रम संबंधी डेटा का उपयोग बिना किसी क्षेत्रीय सत्यापन के किया गया था, क्योंकि स्वतंत्र क्षेत्रीय सर्वेक्षण आयोजित करने में व्यवहार्यता की कमी देखी गई।

संबंधति पहल

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन **(एनएचएम)**
- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना **(AB PM-JAY)**
- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना **(पीएमएसएसवाई)**
- प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना ।
- आयुष्मान भारत डजिटिल मशिन

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fourth-edition-of-state-health-index